

*Power in Relationships*

*Together  
Forever  
Ephesians 4: 1-7*



---

---

---

---

---

---

---

---

**WHY IS MEMBERSHIP IMPORTANT?**

❖ **You need healthy relationships**



---

---

---

---

---


---

---

---

**Ecclesiastes 4:9-10(NIV)**

*Two are better than one, because they have a good return for their work: If one falls down, his friend can help him up. But pity the man who falls and has no one to help him up!*



---

---

---

---

---

---

---

---

**WHY IS MEMBERSHIP IMPORTANT?**

- ❖ You need healthy relationships
- ❖ You need a place where you can use your gifts



---

---

---

---

---

---

---

---

**1 Timothy 4:14a (NCV)**  
*Use the gift you have, which was given to you...*



---

---

---

---

---

---

---

---

**WHY IS MEMBERSHIP IMPORTANT?**

- ❖ You need healthy relationships
- ❖ You need a place where you can use your gifts
- ❖ You need a place where you can grow



---

---

---

---


---

---

---

---

**Acts 2:42(NIV)**  
*They devoted themselves to the apostles' teaching and to the fellowship, to the breaking of bread and to prayer.*



---

---

---

---

---

---

---

---

**WHY IS MEMBERSHIP IMPORTANT?**

- ❖ **You need healthy relationships**
- ❖ **You need a place where you can use your gifts**
- ❖ **You need a place where you can grow**
- ❖ **You need to belong to something bigger than yourself**



---

---

---

---


---

---

---

---

**Romans 12:4-5(NIV)**  
*Just as each of us has one body with many members, and these members do not all have the same function, so in Christ we who are many form one body, and each member belongs to all the others.*



---

---

---

---

---

---

---

---

**Called** by God into  
this relationship



---

---

---

---

---

---

---

---

**Ephesians 6:20(NIV)**  
*for which I am an ambassador in  
chains. Pray that I may declare it  
fearlessly, as I should.*



---

---

---

---

---

---

---

---

**2 Corinthians 5:20-21(NIV)**  
*We are therefore Christ's  
ambassadors, as though God were  
making his appeal through us. We  
implore you on Christ's behalf: Be  
reconciled to God. God made him  
who had no sin to be sin for us, so  
that in him we might become the  
righteousness of God.*



---

---

---

---

---

---

---

---

**Compelled** by Love



---

---

---

---

---

---

---

---

**Philippians 3:14 (NIV)**  
*I press on toward the goal to win the prize for which God has called me heavenward in Christ Jesus.*



---

---

---

---

---

---

---

---

- ❖ ***Be Completely Humble And Gentle***
- ❖ ***Be Patient***
- ❖ ***Bear With One Another***
- ❖ ***Be Unified***



---

---

---

---

---

---

---

---

*“For by one Spirit we were all baptized into one body, whether Jews or Greeks, whether slaves or free, and we were all made to drink of one Spirit...There are many members, but one body”*

**-1 Cor. 12:13, 20**



---

---

---

---

---

---

---

---

*“Holy Father, keep them in Thy name, the name which Thou hast given Me, that they may be one, even as We are,... that they may all be one; even as Thou, Father, art in Me, and I in Thee, that they also may be in Us.... And the glory which Thou hast given Me I have given to them; that they may be one, just as We are one; I in them, and Thou in Me, that they may be perfected in unity”*

**-John 17:11, 21-23**



---

---

---

---

---

---

---

---

**Confess One Belief**



---

---

---

---

---

---

---

---

❖ **Unity in the Spirit**



---

---

---

---

---

---

---

---

*“being fitted together [and are] growing into a holy temple in the Lord,... being built together into a dwelling of God in the Spirit”*

**-Eph. 2:21-22**



---

---

---

---

---

---

---

---

❖ **Unity in the Spirit**

❖ **Unity in the Son**



---

---

---

---

---

---

---

---

*“There is salvation in no one else; for there is no other name under heaven that has been given among men, by which we must be saved”*  
**-Acts 4:12**



---

---

---

---

---

---

---

---

*“For the same Lord is Lord of all, abounding in riches for all who call upon Him”*  
**-Rom. 10:12**



---

---

---

---

---

---

---

---

- ❖ ***Unity in the Spirit***
- ❖ ***Unity in the Son***
- ❖ ***Unity in the Father***



---

---

---

---

---

---

---

---

*"The Lord is our God, the Lord is one!"*  
-Deut. 6:4



---

---

---

---

---

---

---

---

### Our God is...

- ❖ Sovereign (**over all**),
- ❖ Omnipotent (**through all**), and
- ❖ Omnipresent (**in all**)



---

---

---

---

---

---

---

---

## *Power in Relationships*

*Together  
Forever  
Ephesians 4: 1-7*



---

---

---

---

---

---

---

---